अध्याय 5

प्रचलित तालें

परिचय

झप ताल (मात्राएँ 10, भाग 4)

झपताल तबले पर बजायी जानेवाली ताल है। झपताल में 10 मात्राएँ एवं 4 भाग होते हैं। पहली मात्रा पर पहली ताली तीसरी मात्रा पर दूसरी ताली, छठी मात्रा पर खाली और आठवीं मात्रा पर तीसरी ताली होती है। यह ताल बड़े ख्याल, छोटे ख्याल तथा सुगम संगीत के साथ भी कभी–कभी बजायी जाती है।

1	2	3	4	5	6	7	8	9	10
धिं	ना	धिं	धिं	ना	तिं	ना	धिं	धिं	ना
X		2			0		3		

चौताल या चार ताल (मात्राएँ 12, भाग 6)

चौताली पखावज/मृदंग पर बजायी जानेवाली ताल है। इसके बोल खुले होते हैं। चौताल में 12 मात्राएँ और 6 भाग होते हैं। पहली मात्रा पर ताली, तीसरी मात्रा पर खाली, पांचवी मात्रा पर दूसरी ताली, सातवीं मात्रा पर खाली एवं नवमीं और ग्याहरवीं मात्रा पर तीसरी और चौथी ताली लगती है। यह ताल ध्रुपद के साथ पखावज पर बजायी जाती है।

1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12
धा	धा	दिं	तां	किट	धा	दिं	ता	तिट	कट	गदि	गन
X		0		2		0		3		4	

त्रिताल (मात्राएँ 16, भाग 4)

तबले पर बजायी जानेवाली त्रिताल ताल में 16 मात्राएँ एवं 4 भाग होते हैं। पहली मात्रा पर पहली ताली, पांचवीं मात्रा पर दूसरी ताली, नवमीं मात्रा पर खाली और तेहरवीं मात्रा पर तीसरी ताली लगती है। यह ताल बड़ा ख्याल, छोटा ख्याल आदि गायन वादन के साथ बजायी जाती है।

1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14	15	16
धा	धिं	धिं	धा	धा	धिं	धिं	धा	धा	तिं	तिं	ता	ता	धि	धिं	धा
X				2				0				3			

एकताल (मात्राएँ 12, भाग 6)

तबले पर बजायी जाने वाली एक ताल में 12 मात्राएं एवं 6 भाग होते हैं। पहली मात्रा पर सम यानि पहली

ताली, तीसरी मात्रा पर खाली, पांचवी मात्रा पर दूसरी ताली तथा सातवीं मात्रा पर खाली होकर नवमीं और ग्याहरवीं मात्रा पर तीसरी और चौथी ताली लगाते हैं। यह बड़ा ख्याल, छोटा ख्याल आदि गायन–वादन शैली के साथ बजायी जाती है।

1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12
धिं	धिं	धागे	तिरकिट	तू	ना	क	त्ता	धागे	तिरकिट	धिं	ना
X		0		2		0		3		4	

धमार (मात्राएँ 14, भाग 4)

धमार ताल धमार गायकी के साथ पखावज पर बजायी जाती है। इस ताल में 14 मात्राऐं तथा चार भाग होते हैं। खुले बोल बजाये जाते हैं तथा पहली मात्रा पर सम यानि ताली, छठी मात्रा पर दूसरी ताली, आठवीं मात्रापर खाली पर ग्याहरवी मात्रा पर तीसरी ताली लगाई जाती है।

1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14
क	धि	ट	धि	ट	धा	ऽ	ग	ति	ट	ति	ट	ता	ऽ
X					2		0			3			

सूलताल (मात्राएँ 10, भाग 5)

सूल ताल भी पखावज पर बजायी जाती है। इसके भी खुले बोल होते हैं। इस ताल में दस मात्रा और 4 भाग होते हैं। पहली मात्रा पर ताली, तीसरी मात्रा पर खाली, पांचवी मात्रा पर दूसरी ताली, सातवी मात्रा पर तीसरी ताली तथा नवमी मात्रा पर खाली बजायी जाती है।

1	2	3	4	5	6	7	8	9	10
धा	धा	दिं	ता	किट	धा	तिट	कत	गदि	गन
X		0		2		3		0	

तालों की लयकारी

ताल– त्रिताल – (मात्रा 16, भाग 4)

मात्रा	1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14	15	16
बोल	धा	धिं	धिं	धा	धा	धिं	धिं	धा	धा	तिं	तिं	ता	ता	धि	धिं	धा
चिन्ह	X				2				0				3			

दुगुन

मात्रा	1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14	15	16
बोल	धाधिं	धिंधा	धाधिं	धिंधा	धातीं	तिंता	ताधिं	धिंधा	धाधिं	धिंधा	धाधिं	धिंधा	धातीं	तिंता	ताधिं	धिंधा
ताली	X				2				0				3			

चौगुन

मात्रा	1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14	15	16
बोल	धा	धिं	धिं	धा	धा	धिं	धिं	धा	धा	तिं	तिं	ता	धाधिंधिंधा	धाधिंधिंधा	धातिंतिंतां	ताधिंधिंधा
चिन्ह	X				2				0				3			

ताल–झपताल – (मात्रा 10, भाग 4)

1	2	3	4	5	6	7	8	9	10
धिं	ना	धिं	धिं	ना	तिं	ना	धिं	धिं	ना
X		2			0		3		

दुगुन (झपताल)

1	2	3	4	5	6	7	8	9	10
धिं	ना	धिं	धिं	ना	धींना	धींधीं	नातिं	नाधीं	धींना
X		2			0		3		

चौगुन (झपताल)

1	2	3	4	5	6	7	8	9	10
धिं	ना	धिं	धिं	ना	तिं	ना	ऽऽधींना	धींधींनाति	नाधींधींना
X		2			0		3		

ताल– एकताल – (मात्रा 12, भाग 6)

1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12
धिं	धिं	धागे	तिरकिट	तू	ना	क	ता	धागे	तिरकिट	धिं	ना
X		0		2		0		3		4	

दुगुन (एकताल)

1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12
धिं	धिं	धागे	तिरकिट	तू	ना	धिंधिं	धागेतिरिकिट	तूना	कत्ता	धागेतिरकिट	धिंना
X		0		2		0		3		4	

चौगुन (एकताल)

1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12
धिं	धिं	धागे	तिरकिट	तू	ना	क	ता	धागे	धिंधिंधागेतिरकिट	तूनाकत्ता	धागेतिरकिटधिंना
X		0		2		0		3		4	

सूलताल (मात्राएँ 10, भाग 5)

1	2	3	4	5	6	7	8	9	10
धा	धा	दिं	ता	किट	धा	तिट	कत	गदि	गन
X		0		2		3		0	

दुगुन (सूलताल)

1	2	3	4	5	6	7	8	9	10
धा	धा	दिं	ता	किट	धाधा	दिंता	किटधा	तिटकत	गदिगन
X		0		2		3		0	

चौगुन (सूलताल)

1	2	3	4	5	6	7	8	9	10
धा	धा	दिं	ता	किट	धा	तिट	ऽऽधाधा	दिंताकिटधा	तिटकतगदिगन
X		0		2		3		0	

धमार (मात्राएँ 14, भाग 4)

1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14
क	धि	ट	धि	ट	धा	ऽ	ग	ति	ट	ति	ट	ता	ऽ
X					2		0			3			

दुगुन (धमार)

1	2	3	4	5	6	7
कधि	टधि	टधा	ऽग	तिट	तिट	ताऽ
X					2	

चौगुन (धमार)

1	2	3	4	5	6	7
कधिटधि	टधाऽग	तिटतिट	ताऽकधि	टधिटधा	ऽगतिट	तिटताऽ
X					2	

अभ्यासार्थ प्रश्न

अतिलघुत्तरात्मक प्रश्न

(1) त्रिताल में कितनी मात्रा होती है ?

(2) एकताल में कितनी मात्रा होती है?

(3) चौताल में कितनी मात्रा होती है ?

(4) धमार में कितनी मात्रा होती है ?

(5) झपताल में कितनी मात्रा होती है ?

(6) सूलताल में कितनी मात्रा होती है ?
(7) चौताल के बोल कैसे होते हैं ?
(8) एकताल में कितने खण्ड होते हैं ?
(9) सूलताल में कितने खण्ड होते हैं ?
(10) एकताल और चौताल में क्या फ़र्क होता है ?

लघुत्तरात्मक प्रश्न

(1) एकताल का विवरण दीजिये ?
(2) त्रिताल का सम्पूर्ण विवरण दीजिये ?
(3) चौताल तथा धमार को लिखिये ?
(4) सूलताल को लिखिये ?
(5) झपताल का विवरण दीजिये ?

निबंधात्मक प्रश्न

(1) पाठ्यक्रम में आयी कौन–कौनसी तालें पखावज पर बजायी जाती है ? उनका सम्पूर्ण विवरण दीजिये?
(2) पाठ्यक्रम में आयी सभी तालों की दुगुन–चौगुन लिखिये ?
(3) पाठ्यक्रम में आयी समान मात्राओं वाली तालों का तुलनात्मक वर्णन कीजिये ?

प्राचीन ताल वाद्य – डमरू

इल्मे–मोसिकी, इल्मे–सीना है, इल्मे सफ़ीन नही।

संगीत विद्या दिल पर लिखने योग्य है, पृष्ठों (कागज़ों) पर लिखने योग्य नहीं। – उ. बिस्मिल्लाह खां

परिशिष्ठ

त्रिताल (मात्राएँ 16, भाग 4)

मुखड़ा

1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14	15	16
धा	धिं	धिं	धा	धा	धिं	धिं	धा	धा	तिं	तिं	ता	तिरकिट	धातिर	किटधा	तिरकिट
X				2				0				3			
धा	धिं	धिं	धा	धा	धिं	धिं	धा	धा	तिं	तिं	ता	धाऽ	तिरकिट	धाऽ	तिरकिट
X				2				0				3			

कायदा

1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14	15	16
धा	धा	ति	ट	धा	धा	ती	ना	ता	ता	ति	ट	धा	धा	ती	ना
X				2				0				3			

पलटा

धाधा	तिट	धाधा	तिट	धाधा	तिट	धाधा	तीना	ताता	तिट	ताता	तिट	धाधा	तिट	धाधा	तीना
धाधा	धाधा	धाधा	तिट	धाधा	तिट	धाधा	तीना	ताता	ताता	ताता	तिट	धाधा	तिट	धाधा	तीना
तिट	तिट	धाधा	तिट	धाधा	तिट	धाधा	तीना	तिट	तिट	ताता	तिट	धाधा	तिट	धाधा	तीना
धाति	टधा	तिट	धाधा	धाति	टधा	धाधा	तिना	ताति	टता	तिट	ताता	धाति	टधा	धाधा	तीना
X				2				0				3			

पेशकार

धींक्डधिंना	तित्धाघेना	धातिधाति	धाधातिना	तकधिड़ाऽनधा	तूनातिरकिट	धातिरकिटधिं	धाधातीना
X				2			
किटतकतिऽक्ड	तिंनाधिंना	तिनगिनतिनताके	त्रकतिनतिनागिना	तकधिड़ाऽनधाऽ	तूनाक्ड़धान	धातूनाक्ड़धा	ऽनधातूना
0				3			

उ. अहमद जान थिरकवा
तबला वादक

पं. अनोखेलाल मिश्रा
तबला वादक

डॉ. आबान–ई–मिस्त्री
तबला वादिका

राजस्थान के लोक वाद्य

कमायचा

रावण हत्था

गोपीचन्द

तन्दूरा / वीणै

ढोलक

ताशा

ढोल

डफ / चंग

घेरा

राजस्थान के लोक वाद्य

अलगोजा

पूंगी / बीन

मारचग

बांकिया

मुरला

खड़ताल

झांझ

घुंघरु